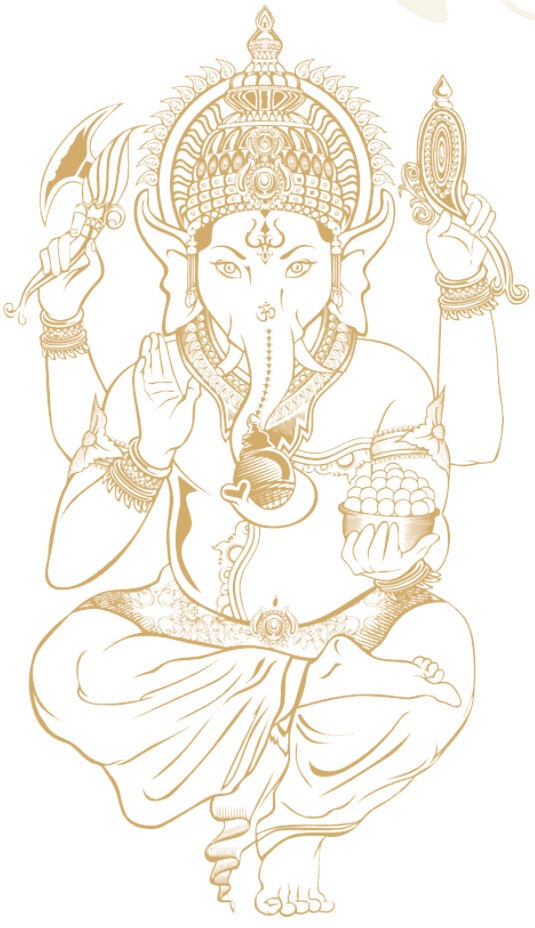

Mohit daga

Neha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121629127

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13-14/06/1994	जन्म तिथि	15/11/1993
सोम-मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 01:50:00	जन्म समय	08:25:00 घंटे
घटी 51:50:38	जन्म समय(घटी)	06:12:45 घटी
India	देश	India
Cuttack	स्थान	Bikaner
20:26:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
85:56:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:13:44	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:05:44	सूर्योदय	06:58:13
18:27:05	सूर्यास्त	17:43:57
23:47:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:31

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 11वर्ष 0मा 28दि		05:19:33	मेष	लग्न	वृश्चि	16:43:48	शनि 1वर्ष 4मा 16दि	
शुक्र		28:47:59	वृष	सूर्य	तुला	28:59:04	शुक्र	
12/07/2012		21:18:38	कर्क	चंद्र	वृश्चि	15:41:56	03/04/2019	
12/07/2032		21:43:29	मेष	मंगल	वृश्चि	10:27:55	03/04/2039	
शुक्र	11/11/2015	14:34:56	मिथु व	बुध व	तुला	12:45:26	शुक्र	02/08/2022
सूर्य	11/11/2016	11:29:00	तुला व	गुरु	तुला	07:14:00	सूर्य	02/08/2023
चन्द्र	12/07/2018	04:29:59	कर्क	शुक्र	तुला	13:47:01	चन्द्र	02/04/2025
मंगल	12/09/2019	18:32:55	कुंभ	शनि	कुंभ	00:08:09	मंगल	02/06/2026
राहु	11/09/2022	29:41:24	तुला व	राहु	वृश्चि	09:13:57	राहु	02/06/2029
गुरु	12/05/2025	29:41:24	मेष व	केतु	वृष	09:13:57	गुरु	01/02/2032
शनि	12/07/2028	01:49:06	मक व	हर्ष	धनु	25:25:51	शनि	03/04/2035
बुध	13/05/2031	28:57:50	धनु व	नेप	धनु	25:10:28	बुध	31/01/2038
केतु	12/07/2032	02:11:42	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	01:32:45	केतु	03/04/2039

लग्न-चलित

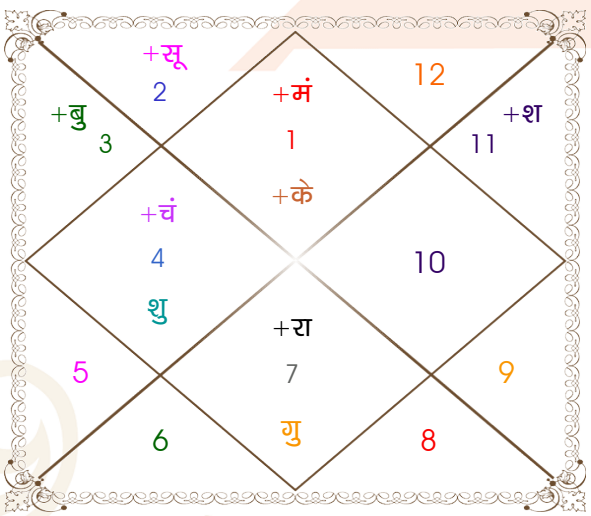

लग्न-चलित

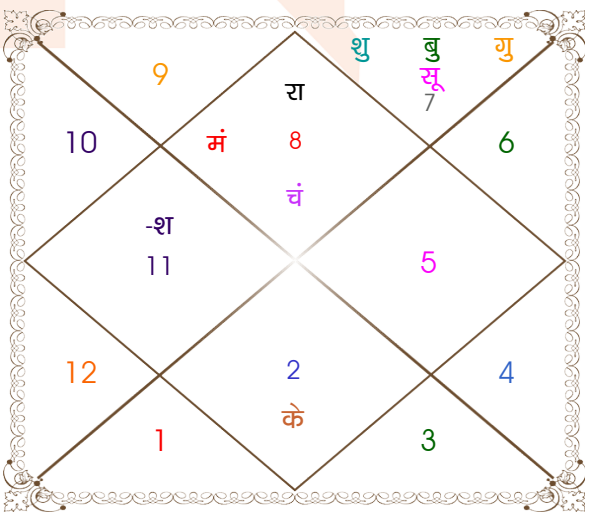

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mohit daga का वर्ग श्वान है तथा Neha का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mohit daga और Neha का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mohit daga मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Mohit daga कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mohit daga कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Neha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।

विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Neha कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Neha कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Neha कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mohit daga कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mohit daga तथा Neha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।